कुछ कर दिखाना है

जो चाहोगे वो पाओगे

सफलता के लिए कुदरत के कुछ नियम,
जिन्हें तोड़कर सफल होना मुमकिन नहीं।

अश्वनी राय

*

जो चाहोगे
वो पाओगे

सफलता के लिए कुदरत के कुछ नियम
जिन्हें तोड़कर सफल होना मुमकिन नहीं

*

मनुष्य भाग्य से सफल नहीं होता|

प्रस्तुत है .....

*

सफलता
की
शुरुआत

*

सफलता के कुछ नियम....

*

पुस्तक का नाम : जो चाहोगे

वो पाओगे

लेखक   : अश्वनी राय

प्रकाशन वर्ष   : २०१८

हिंदी   : भाषा

सलाहकार   : मित्र एवम् गुरु

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

परिवार, मित्र ऐवम सेवा

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

अगर आप अपनी सफलता के लिए कुछ पढ़ रहें हैं ,
आप पैदा ही सफल होने के लिए हुए हैं

*

जो चाहोगे
वही होगा

सफलता की कुछ सच्चाई,
जिन्हें हम झुठला नहीं सकते

*

कभी किसी की सफलता को उसकी किस्मत का नाम नहीं देना,
उस सफलता के पीछे की मेहनत और बलिदान सिर्फ वही जानता है

*

सफलता के प्राकृतिक नियमों का पालन कर के आप

जो चाहोगे

वो पाओगे

*

अनुक्रमणिका

1 प्रारंभ
2 आप क्या चाहते हैं ?
3 निश्चित लक्ष्य
4 पक्का इरादा
5 सोच बदले
6 नज़रिया
7 योजना और तैयारी
8 विश्वास
9 कार्य
10 शुरुआत
11 नेटवर्क
12 लगन
13 लगे रहिये
14 डर
15 असफलता
16 भावनाएँ
17 खुद को जाने
18 आदत
19 खुद को समय दें
20 देना
21 मौका
22 खुद में है सब कुछ
23 समय

*

सफलता दौलत से खरीदने वाली वस्तु नहीं है

*

1
प्रारंभ

www.Youtube.com/Erashwanirai

*

अगर आपको कुछ नया और बड़ा चाहिए तो आपको उसके लिए कुछ नया और बड़ा करना पड़ेगा

*

पहले जो नहीं मिला है उसे हासिल करने के लिए पहले जो नहीं किया है वो करना पड़ेगा

सफल होने के लिए कुदरत के कुछ नियमों की यह पुस्तक है|

सफलता की परिभाषा को दो व्यक्ति एक समान नहीं बता सकते परन्तु असफलता की एक ही परिभाषा है उस इन्सान को जितनी मेहनत की जरुरत थी सफलता तक पहुँचने के लिए उस इन्सान ने उतनी मेहनत नहीं की

सबसे बड़ी चीज़ कुदरत कभी भी किसी के साथ भेद भाव नहीं करता कुदरत के लिए सभी एक सामान है चाहे वो अमीर हो, चाहे वो गरीब हो, चाहे वो शक्तिशाली हो, चाहे वो कमज़ोर हो, उसे परवाह नहीं आपकी या आपके घर की क्या परिस्थिति है कुदरत सिर्फ और सिर्फ आपकी मेहनत माँगती है

इसके बाद इन नियमों की खास बात यह है कि इन नियमों का प्रयोग कोई भी कर सकता है चाहे वो अमीर हो गरीब हो शक्तिशाली हो कमज़ोर हो कोई भी हो वो इन नियमों को पालन कर सफल हो सकता है

हमारे युवाओं के पास असफल होने के बहुत से बहाने हैं और वहीं दूसरी जगह हमारे बुजुर्ग कहते हैं, आज के युग में सफल न होने के लिए कोई भी बहाना नहीं है क्योंकि उनका मानना है उनके समय में इतनी सुविधाएँ नहीं थी फिर भी वो सफल हुए तो आज के समय में तो सारी सुविधाओं के साथ सफल होना आसान है

आपको जितनी बड़ी सफलता चाहिए उतनी बड़ी मेहनत करनी पड़ेगी सफलता किसी को भी बैठे बिठाये नहीं मिलती सफलता को कमाना पड़ता है

लोग अक्सर आपकी सफलता देखेंगे परन्तु आप उस मंज़िल तक किस परिश्रम से आये, कौन कौन से बलिदान दिए हैं, कौन - कौन से मुश्किलों का सामना कर के वहाँ पहुचें हैं ये सिर्फ और सिर्फ आप जानेगें

अलीबाबा.कॉम के फाउंडर जैक मा को देख के कोई यकीन नहीं करेगा कि वो अपने स्कूल के शुरुआती दिनों में एक बार में परीक्षा पास नहीं कर पाते थे इंग्लिश सीखने के लिये उन्होंने टूरिस्ट गाइड का काम किया वो अपनी ज़िन्दगी में 30 बार रिजेक्ट हुए फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी उनकी लगातार कोशिश ही है कि जो वो आज चाइना के सबसे बड़ी कंपनी के फाउंडर हैं

कुछ लोगों का मानना होता है कि जो लोग सफल हो रहे हैं वो उनसे ज्यादा समझदार, ज्यादा होशियार होते हैं परन्तु ऐसा बिल्कुल भी नहीं है सिर्फ और सिर्फ फर्क होता है तो सफल लोगों कि कोशिश और उनकी मेहनत में

याद रखिये आप से ज्यादा होशियार कोई नहीं है क्योंकि सभी इन्सान समान तरीके से जन्म लेते हैं, समान तरीके से भोजन करते हैं और समान तरीके से मरते हैं

सफल होने की इच्छा रखने वाला कोई भी व्यक्ति इस किताब को पढ़ेगा, इसकी गंभीरता से पालन करेगा और उसे कुछ लाभ न हो ऐसा नामुमकिन है

इस पुस्तक से जो आप सीखेंगे, और सीख के अगर पालन करते हैं, तो ये आपके जीवन का एक नया मोड़ हो सकता है यह पुस्तक आपके जीवन में खलबली मचा सकती है आपको मंजिल तक ले जाने के लिए

इन नियमों का पालन कर के आप दुनिया के बड़े से बड़े लक्ष्य हासिल कर सकते हैं, और दुनिया की कोई भी ताकत नहीं है जो आपको रोक सके

कुदरत कहता है, उसके नियमों को मान कर कोई भी सफल हो सकता है, और जिस किसी ने उसके नियमों को नहीं माना, उसे हार का सामना करना पड़ा उदाहरण के लिए, कुदरत का नियम कहता है पहले बीज बोना पड़ेगा उसके बाद फसल काट सकते हो इसका उल्टा आज तक कोई नहीं कर सका

इस किताब में बताई गयी बातें किसी विशेष जमाने से, दुनिया के किसे विशेष हिस्से से, या मनुष्य के किसी समूह से संम्बधित नहीं है ये कुदरत के नियम हैं, जिसे कोई पसंद करे या न करे, सबके लिए एक समान है

जितने भी नियम बताए गये हैं वो मेरे खुद के द्वारा नहीं बनायें गए, ये कुदरत के नियम हैं ऐसा भी हो सकता है कि जो कुछ आप पढ़ो, उसमें से बहुत कुछ आपको पता हो, क्योंकि ये कुदरत के नियम हैं|

आज के युग में सब कुछ करना आसान है, पहले के युग में ऐसा नहीं था आज एक चाय बेचने वाला लड़का प्रधानमंत्री बनता है, एक अख़बार बेचने वाला लड़का राष्ट्रपति बनता है आज एक युवक अपनी कंपनी खोल सकता है

लेकिन सिर्फ इस किताब को पढने से कुछ नहीं होगा, जब तक आप इन नियमों को आचरण में नहीं लातें, क्योंकि इसमें से बहुत से नियमों के बारे में इन्सान को पता होता है, पर वो आचरण में नहीं लाता. जैसे कर भला तो हो भला, परन्तु बहुत कम लोग इसे आचरण में लाते हैं

“सफल होना बहुत आसान है” इस पर यकीन करना मुश्किल है जिस दिन आपको खुद पर यकीन हो गया, उस दिन आपके लिए भी सफल होना आसान होगा

परन्तु सफल होने के लिए आपको यह तय करना होगा कि आपकी सफलता कि परिभाषा क्या है, और क्या मिलेने पर आप खुद